

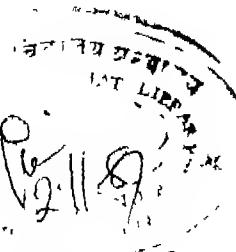


आरत का गज़त्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



दो १६]

गई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर १४, १९८६/शास्त्रिय २२, १९०८

No. 16]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 14, 1986/ASVINA 22, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संख्याएँ के क्षण में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

भारतीय खाद्य नियम
मुद्रितिय
गई दिल्ली, १४ अक्टूबर, १९८६
प्रधिकारनाम

बं. ३६/स. ई पी. ३९-२/८५ —भाद्य नियम घासियम १९६४
(१९६४ का ३७) की वारा ४५ वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा
केंद्रीय सरकार की पूर्वानुमति से भारतीय खाद्य नियम निम्नलिखित
विनियम बनाकर भारतीय खाद्य नियम (मूल्य तथा नियुक्ति उपचान)
विनियम, १९६७ में इस प्रकार संशोधन करता है।—

1. (1) में विनियम भारतीय खाद्य नियम (मूल्य एवं नियुक्ति
उपचान) (वर्ता संशोधन) विनियम, १९८६ कहे जायेंगे।
(2) में तकाल प्रमाणी होंगे।

2. भारतीय खाद्य नियम (मूल्य तथा नियुक्ति उपचान) विनियम,
१९६७ के विनियम ३ की वर्तमान व्यवस्था, निम्न प्रकार से संशोधित
मारी जायेगी।

3. शर्त,
उपचान का भुगतान, कर्मचारी के प्रबले, कार्यकुशल तथा विश्वसनीय
सेवा होने पर, जो विनियम ५ में बताई गई राशि से प्रधिक नहीं हो।

कर्मचारी या प्रध्य व्यक्ति या व्यक्तियों को, जो विनियम २ के अंतर्गत
उपचान प्राप्ति के अधिकारी हैं, किया जायेगा।

इसमें यह भी व्यवस्था है, कि कर्मचारी के विवेद खागपत्र/निवृत्ति
के मद्दय, यदि कोई अनुशासनिक कार्यवाही जल रही है/बलाई जाने वाली
है तो उपचान का भुगतान उस समय तक नहीं किया जायेगा जब तक
उसके विवेद कार्यवाही का अंतिम निर्णय न हो जाये। अनुशासनिक
कार्यवाही के निर्णय होने पर ही, उपचान की राशि का भुगतान अनुशासनिक
कार्यवाही के अंतिम निर्णय तथा अनुशासनिक प्राधिकारी के आदेशों को
दृष्टि में रखते हुए, किया जाएगा। वह कर्मचारी जिसकी सेवाओं को
दुराचारण, दिवालियेष्वर या प्रकार्यकृ शलता के कारण समाप्त किया गया है,
उपचान प्राप्ति का पात्र नहीं होगा।"

THE FOOD CORPORATION OF INDIA

HEADQUARTERS

New Delhi, the 14th October, 1986.

NOTIFICATIONS

No. 36|No. EP. 39-2/85.—In exercise of the
powers conferred by Section 45 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) and with the previous

sanction of the Central Government, the Food Corporation of India hereby makes the following Regulations further to amend the Food Corporation of India (Death-Cum-Retirement Gratuity) Regulations, 1967 :—

1. (i) These Regulations shall be called the Food Corporation of India (Death-cum-Retirement Gratuity) (8th Amendment) Regulations, 1986.

(ii) They shall come into force with immediate effect.

2. The existing Regulation 3 of the Food Corporation of India (Death-cum-Retirement Gratuity) Regulations, 1967, shall be deemed amended to read as under :—

3. CONDITIONS :

A gratuity not exceeding the amounts mentioned in Regulation 5, may be paid to an employee or to the other person or persons on whom the right to receive the gratuity is conferred under Regulation 7, for good, efficient and faithful service of such employee :

Provided that an employee against whom disciplinary action/proceedings is contemplated or pending at the time of resignation/retirement etc. will not be paid gratuity unless the action/proceedings against him have been finalised. On finalisation of the disciplinary proceedings, the release of payment of amount of gratuity will depend on the final outcome of the disciplinary proceedings and keeping in view the orders of the disciplinary authority. Gratuity will also not be admissible to an employee whose services are terminated for misconduct, insolvency or inefficiency."

S. 37/S. I. P. 3-8/79 :— खात नियम भवित्वियम् 1964 (1964 का 37) की धारा 45 द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए लाल के द्वारा सरकार की प्रस्तुति से भारतीय खात नियम नियमिति विनियम बनाकर भारतीय खात नियम (कर्मचारी वृद्धि विनियम, 1971 में ऐसे संशोधन करता है :—

1. (1) ये विनियम भारतीय खात नियम (कर्मचारी वृद्धि संशोधन) विनियम, 1986 कर जायेगे।

(2) ये तत्काल प्रभावी होंगे।

2. भारतीय खात नियम (कर्मचारी वृद्धि) विनियम, 1971 के बहुमत विनियम 16(3) को इस प्रकार प्रस्तुति किया जाता है :—

"विनियम 16(3) मीठी भर्ती वालों तथा पदोन्नतों की मापदण्डित वरिष्ठता

(1) मीठी भर्ती वालों तथा पदोन्नतों का मापदण्डित वरिष्ठता का नियम फलग: सीधी भर्ती वालों तथा पदोन्नतों के बीच रिक्तियों के बीच पर जो सीधी भर्ती वालों तथा पदोन्नतों के बीच मापदण्डित घन्तार के आधार पर होगा, दिया जाएगा।

(2) (क) कैलेंडर वर्ष में जो रिक्तियां होंगी वे जहां तक संभव होगा उसी वर्ष में भर्ती जायेंगी।

(ख) उपरोक्त उल्लिखित के होने हाएँ भी, यदि किसी कारणवश कोई रिक्ति या रिक्तियां किसी वर्ष में सीधी भर्ती वालों पदोन्नति यात्रान्विति के लिए आवश्यक तथा नियांदिल प्रक्रिया से ना भरी जा सकी हों, तो ऐसी रिक्ति या रिक्तियों को

प्रगते वर्ष में शामिल कर दिया जायेगा। ऐसी रिक्ति या रिक्तियों पर पदोन्नत या सीधी भर्ती किये गये अवित्तियों की भारतीय वरिष्ठता यह मान कर तभी की जायेगी जैसे कि पिछले वर्ष की पदोन्नति अवधार सीधी भर्ती की रिक्तियां, यात्रान्विति वाले वाले कैलेंडर वर्ष में उत्तम हुई और ऐसी प्रसिद्धि रिक्तियों के लिए चुने गये रिक्ति ग्राहिय पदोन्नत या सीधी भर्ती वरिष्ठता सूची में उस वर्ष की रिक्तियों के बीच के आधार पर यात्रान्विति अंतिम पदोन्नति या सीधी भर्ती अवित्त के बाद रखे जायेंगे।"

के. एस. भसीन, सचिव

No. 37/F. No. EP. 3-8/79 —In exercise of the powers conferred by Section-45 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) and with the previous sanction of the Central Government, the Food Corporation of India hereby makes the following regulations to amend the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971, namely :—

1. (i) These Regulations may be called the Food Corporation of India (Staff) (98rd Amendment) Regulations, 1986.

(ii) They shall come into force at once.

2. The existing Regulations 16(3) of the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 shall be substituted as under :—

"Regulations 16(3) Relative seniority of direct recruits and promotees.

(i) The relative seniority of direct recruits and promotees will be determined according to the rotation of the vacancies as between direct recruits and promotees as based on the quotas reserved for direct recruitment and promotion respectively.

(ii) (a) Vacancies arising in a calendar year shall be filled up during the same calendar year, as far as possible.

(b) Notwithstanding anything stated above, if for any reasons whatsoever, any vacancy or vacancies arising during a calendar year reserved for promotion or direct recruitment, as the case may be, remain unfilled by the prescribed mode such vacancy or vacancies shall be carried over to the subsequent calendar year. The interse seniority of such persons as are promoted or recruited against such vacancy or vacancies shall be fixed as it such earlier year's vacancies for promotion or direct recruitment, as the case may be, had arisen during such subsequent calendar year and the persons selected against the additional vacancies shall be placed en-bloc below the last promotee or the direct recruit as the case may be, in the seniority list based on the rotation of vacancies for that year."

K. S. BHASIN, Secy.